सटीकता, गति और जुनून...दुनिया से टकराने के लिए पूरी तरह तैयार! शमी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। - मोहम्मद शमी

भारतीय तेज गेंदबाज, अपनी फिटनेस के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **यशस्वी जायसवाल**

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कम समय में क्रिकेट जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने घरेलू सरजमीं पर और विदेश में बल्ले से बखूबी छाप छोड़ी है। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में प्रभावित किया, जहां वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय प्लेयर रहे। यशस्वी ने जुलाई 2023 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अभी तक टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं, हालांकि, स्टार ओपनर की आने वाले कुछ दिनों में किस्मत चमक सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

बुमराह प्लेयर ऑफ द मंथ बन सकते हैं, कमिंस और पैटरसन भी रेस में

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जसप्रीत बुमराह दिसंबर की परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीत सकते हैं। आईसीसी ने उनके साथ साउथ अफ्रीका के गेंदबाज डैन पैटरसन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को भी नॉमिनेट किया है। विमेंस क्रिकेटर में भारत की स्मृति मंधाना भी रेस में हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड और साउथ अफ्रीका की एन मलाबा भी नॉमिनेट हुई हैं।

बुमराह ने 3 मैच में 22 विकेट लिए जसप्रीत बुमराह ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट खेले। इनमें उन्होंने 22 विकेट अपने नाम किए। मेलबर्न और ब्रिस्बेन में तो उन्होंने 18 विकेट लिए। एडिलेड में वह 4 ही विकेट ले सके, क्योंकि दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 2 ही ओवर बैटिंग कर मैच जीत लिया था।

पैटरसन ने 13, कमिंस ने 17 विकेट लिए प्लेयर ऑफ द मंथ की रेस में साउथ अफ्रीका के डैन पैटरसन भी शामिल हैं। उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ 2 ही टेस्ट में 13 विकेट झटक लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ 3 टेस्ट में 17 विकेट लिए। तीनों प्लेयर्स में बुमराह की परफॉर्मेंस बेहतर रही, इसलिए वह इस अवॉर्ड को जीत सकते हैं। मंधाना ने 463 रन बनाए भारत की ओपनिंग बैटर स्मृति मंधाना ने दिसंबर में 9 मैच खेले और 463 रन बना दिए।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शतक भी लगाया। उन्होंने फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 5 मैचों में 50 स्कोर बनाए। उन्होंने वनडे में 270 और टी-20 में 193 रन बनाए।

एलियन के ताने से अर्जुन पुरस्कार तक का सफर

तुलसीमति ने पिता को समर्पित किया पुरस्कार

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जन्मजात विकृति और गहरे रंग के कारण सहपाठियों से 'एलियन' का ताना सुनने वाली भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी तुलसीमति मुरुगेसन ने पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अर्जुन पुरस्कारों की सूची में जगह बनाकर बचपन की अपनी कड़वीं यादों को पीछे छोड़ दिया है। इस 22 साल की लड़की की कहानी अथक दृढ़ता की है जो दिहाड़ी मजदूरी करने वाले अपने पिता डी. मुरुगेसन के अटूट समर्थन से प्रेरित है। उनके पिता ने समाज के विरोध के बावजूद अपनी बेटियों(तुलसीमति और किरुट्टीघा) को खेलों में आगे बढ़ना जारी रखा।

तुलसीमति ने 'पीटीआई' से कहा, "उन्होंने हमें कभी भी अपने संघर्षों को देखने नहीं दिया। वह नहीं चाहते थे कि हमें पता चले कि उन्होंने हमारे सपनों को साकार करने के लिए कितनी मेहनत की या कितना बलिदान दिया। यही कारण है कि हर पदक, हर पुरस्कार जो मैं जीतती हूं, वह उनका है।" उन्होंने कहा, " रिश्तेदार और पड़ोसी मेरे पिता से कहते थे

कि हमें खेल के मैदान पर क्यों ले जा रहे हैं। वे लड़कियां हैं और वे शादी कर के चली जायेंगी।"

डी.मुरुगेसन पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने अपनी बेटियों को हॉकी, टेनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया। तुलसीमति और उनकी बहन को हालांकि बैडमिंटन सबसे चुनौतीपूर्ण लगा इसलिए उनके पिता ने इस खेल को चुनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, "जब हमने कहा कि यह कठिन है, तो मेरे पिता ने कहा कि 'यही खेल तुम्हारा पेशा होगा'। और फिर उस फैसले ने हमारी जिंदगी बदल दी।"

परिवार की मुश्किल वित्तीय स्थिति के बीच भी मुरुगेसन ने अपनी बेटियों के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान छोटे टूर्नामेंटों से मिलने वाली इनामी राशियों का इस्तेमाल उन्होंने खेल से जुड़े उपकरण खरीदने में किया। अपने बचपन के बारे में पूछे जाने पर तुलसीमति ने कहा, " मैंने कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया है। मेरे सहपाठी मेरी दिव्यांगता के कारण मुझे चिढाते थे। वे मेरे रंग, मेरे हाथ और मेरी पृष्ठभूमि के कारण मुझे 'एलियन' कहते थे।"

उन्होंने कहा, "मैंने एक बार जिला स्तर के एक छोटे टूर्नामेंट में भाग लिया था और जब जीत कर लौटी तो कुछ सहपाठी मुझ से बात करने आये। उसी समय मैंने अपनी कड़वी यादों को पीछे छोड़ने के लिए जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना के बारे में सोचा।" 'मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' के कारण तुलसीमति का बायां हाथ काम नहीं करता था लेकिन 2022 में एक सड़क दुर्घटना ने उनके इस हाथ को पूरी तरह से खराब कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों को एसए-20 में खेलने की स्वीकृति देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, 7 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) निकट भविष्य में भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में भाग लेने की अनुमति देगा क्योंकि इससे इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी। दिनेश कार्तिक एसए20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनने वाले हैं लेकिन यह तभी संभव हो पाया जब उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है।

अभी तक भारत से बाहर की प्रतियोगिताओं में खेलने का एकमात्र तरीका स्वदेश में अपने करियर को विराम देना है। डिविलियर्स ने नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए20 के तीसरे सत्र से पूर्व चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए कहा, " मैं और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को इसमें शामिल होते देखना पसंद करूंगा। हम जानते हैं कि दिनेश कार्तिक इस साल यहां होंगे जो शानदार है और यह टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा है।" उन्होंने कहा, "और उम्मीद है कि बीसीसीआई भविष्य में और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में शामिल होने की अनुमति देगा।"

डिविलियर्स अच्छी तरह से जानते हैं कि बीसीसीआई निकट भविष्य में सक्रिय भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग के लिए उपलब्ध नहीं कराने जा रहा है। उनका मानना है कि किसी लीग को प्रतिद्वंद्वियों से आगे रखने का एकमात्र तरीका सर्वश्रेष्ठ विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करना है जैसा कि आईपीएल ने पिछले कुछ वर्षों में किया है।

पाकिस्तान पर दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

केपटाउन, 7 जनवरी। पाकिस्तान पर न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गये दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान को निर्धारित समय से पांच ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी के नियमों के अनुसार पाकिस्तान के खाते से पांच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काटे गये हैं। यह जुर्माना खिलाडियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। नियमों के अनुसार खिलाडियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

विमेंस प्रीमियर लीग लखनऊ और बड़ौदा में होगा

नई दिल्ली, 7 जनवरी। विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के लिए ने 2 वेन्यू फाइनल कर लिए हैं। बड़ौदा और लखनऊ में 5 टीमों के बीच सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 6 या 7 फरवरी से शुरू हो सकता है। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच होंगे, जिनमें क्वालिफायर और फाइनल भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट का ऑफशियल शेड्यूल रिलीज होना बाकी है। हालांकि, बोर्ड ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को उनके ग्राउंड पर मैच कराने की जानकारी दे दी है। शेड्यूल का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कुछ ही दिनों में हो जाएगा है। बड़ौदा में विमेंस इंटरनेशनल मैच हुआ था बड़ौदा में कोटाम्बी स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने ही हुआ था। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैच खेला गया था। यहां 3 वनडे हुए थे। इस स्टेडियम में सीनियर विमेंस टी-20 टूर्नामेंट और रणजी ट्रॉफी के मैच भी हो चुके हैं। स्टेडियम में फ्लड लाइट्स लग चुके हैं। 9 जनवरी से शुरू होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैच यहां होंगे, इसमें इन लाइट्स की टेस्टिंग भी हो जाएगी।

23 मैच होंगे के शुरुआती 2 सीजन में 5 टीमों के बीच 23-23 मैच खेले गए थे। इस बार भी 23 मैच ही होंगे, जिसके लिए लखनऊ का इकाना स्टेडियम पहला ऑप्शन है। जहां फर्स्ट फेज के 10 या 11 मैच खेले जाएंगे। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 8 या 9 मार्च को हो सकता है। जिसके बाद 14 मार्च से ही भी शुरू हो जाएगा। का पहला सीजन मुंबई में ही हुआ था। जबकि दूसरे सीजन में बेंगलुरु और दिल्ली को वेन्यू बनाया गया था। बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, वहीं मुंबई ने पहले सीजन का खिताब जीता था। दोनों फाइनल में दिल्ली को ही हार मिली।

पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश चैम्पियनशिप आज से जयपुर में

जयपुर, 7 जनवरी। इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की मेजबानी में छठी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) इंटर यूनिट स्क्वैश चैंपियनशिप 8 से 11 जनवरी तक यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में छह टीमें हिस्सा लेंगी। आई जी एल के मानव संसाधन विभागाध्यक्ष शिवनेन्द्र कुमार ने मंगलवार को यहां बताया कि चैंपियनशिप के दौरान पुरुष, महिला और वेटरन कैटेगरी में व्यक्तिगत और टीम चैंपियनशिप के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। शिवनेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में मेजबान इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ भारत पेट्रोलियम, आयल इंडिया, एनआरएल असम, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमि. और ओनएनजीसी की टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि बुधवार को उद्घाटन समारोह में आईजीएल के डायरेक्टर (कॉमर्शियल) मोहित भाटिया मुख्य अतिथि होंगे, जबकि बीपीसीएल के डायरेक्टर (एचआर) राजकुमार दुबे और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के एडवाइजर ललित कुमार वत्स विशिष्ट अतिथि होंगे।

राजस्थान के दीवांश सिंह बने राष्ट्रीय चैम्पियन, राजस्थान ने जीते दो पदक

जयपुर, 7 जनवरी। 41वीं एनटीपीसी राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। आज कंपाउंड इवेंट के फाइनल मुकाबलों में प्रतिभागियों ने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया। व्यक्तिगत मुकाबले में राजस्थान के दीवांश सिंह ने महाराष्ट्र के मानव यादव को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने जानकारी दी कि स्वर्ण पदक जीतने वाले दीवांश सिंह ने अपनी सटीक निशानेबाजी और आत्मविश्वास से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। इसके अलावा कंपाउंड पुरुष वर्ग की टीम ने कांस्य पदक हासिल कर राजस्थान का नाम रोशन किया।

मेडल सेरेमनी के मुख्य अतिथि अर्जुन अवार्ड और ओलंपियन डोला बनर्जी ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में बनर्जी ने कहा कि राजस्थान में ऐसे आयोजनों से नई प्रतिभाएं उभर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय तीरंदाजी में राजस्थान के तीरंदाजों का हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आयोजन समिति से जुड़े अनिल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला चरण इंडियन राउंड के मुकाबलों के साथ कल से शुरू होगा।

इन मुकाबलों में भी रोमांचक प्रदर्शन की उम्मीद है। व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट (पुरुष): स्वर्ण पदक: दीवांश सिंह (राजस्थान), दीवान सिंह ने कड़े मुकाबले में महाराष्ट्र के मानव जादव को मात्र एक अंक से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया यह मैच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला माना गया था। दीवान सिंह ने खेलते हुए 150 में से 149 अंक बनाए तो वही महाराष्ट्र के मानव जादव ने 150 में से 146 अंक बनाकर सिल्वर पदक से संतोष करना पड़ा।

कंपाउंड पुरुष टीम इवेंट: कांस्य पदक: राजस्थान, यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए तीरंदाजी के क्षेत्र में प्रेरणादायक साबित हो रहा है। राजस्थान तीरंदाजी संघ के प्रयासों से राज्य में तीरंदाजी का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है।

रोहित-कोहली का टेस्ट फ्यूटर सिलेक्टर्स पर: गावस्कर

नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है की रोहित शर्मा और विराट कोहली का क्रिकेटिंग भविष्य अब सिलेक्टर्स के हाथों में हैं। पिछले छह महीनों से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे दोनों बल्लेबाजों की वजह से टीम के प्रदर्शन में कमी आई है। न्यूजीलैंड से घर पर क्लीन स्वीप और 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद विराट और रोहित के टेस्ट फ्यूचर पर सवाल उठ रहे हैं। 6 महीने से बल्लेबाजी फ्लॉप गावस्कर ने कहा, भारत (वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया है। टीम को उन कारणों पर विचार करना होगा कि ऐसा क्यों हुआ, जिससे हमारी बल्लेबाजी खराब रही। न हम खुद बनाए गए स्पिनिंग ट्रैक पर खेल पाए और न ही बाउंसी ट्रैक पर अच्छा परफॉर्म कर पाए।

बैटिंग यूनिट के दो मुख्य बल्लेबाज रोहित और कोहली टीम की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुए। में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। जबकि रोहित से 5 पारियों में मात्र 31 रन बन सके। भारतीय टीम सीरीज की 9 इनिंग में 6 बार 200 का आंकड़ा पार न कर सकी।

पूर्व कप्तान ने कहा, पिछले छह महीनों में बल्लेबाजी खराब रही और यही मुख्य कारण था कि हम मैच हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे। इसलिए, यदि 2027 के फाइनल में हमें पहुंचना है तो जून से इंग्लैंड में शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में सिलेक्टर्स को तय करना होगा कि टीम कैसी बनानी है। 75 वर्षीय ने कहा, डोमेस्टिक सर्किट में अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मौका देने का समय आ गया है। नीतीश के सिलेक्शन पर तारीफ गावस्कर ने नीतीश कुमार रेड्डी जैसे टैलेंटेड खिलाड़ी के चयन के लिए सिलेक्टर्स की सराहना की। में इस बार भारत के तरफ तीन शतक लगे थे। नीतीश के अलावा यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतक लगाया था।

7 से 13 तक आयोजित सीनियर नेशनल वालीबॉल चैम्पियनशिप का उद्घाटन

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद और वॉलीबॉल फेडरेशन आफ़ इंडिया की एडहॉक कमेटी द्वारा आयोजित सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा एक शानदार समारोह में उद्घाटन किया गया। चैम्पियनशिप के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की और सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर सहित कई गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना अनिवार्य है और राजस्थान में इस तरह के आयोजन करवाए जाने चाहिए ताकि खिलाडियों को बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिल सके। राजस्थान के युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि पिछले पाँच वर्षों में वॉलीबॉल का कोई आयोजन नहीं हुआ है इसका मतलब यह है कि खिलाड़ियों की एक पीढ़ी आगे बढ़ने से वंचित रह गई।

उन्होंने दोहराया कि ऐड हॉक कमेटी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खेलों में कोई व्यवधान ना आने पाए और खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए जाएं। आयोजन सचिव भरत सिंह के अनुसार इंडोर और आउटडोर कोर्ट में हो रही इस चैंपियनशिप में लगभग 62 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें 34 पुरुष टीमें और 28 महिला टीमें हैं और खिलाड़ियों और अधिकारियों समेत लगभग 1200 खेल से जुड़े लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। 7 से 13 जनवरी तक होने वाली इस चैंपियनशिप में देशभर के सीनियर इंटरनेशनल खिलाड़ी बारीकी से प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी अनुभवी निगाहों से परख रहे हैं और आने वाले राष्ट्रीय खेलों में इन प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा।

जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में होने वाले उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में एफआईवीवी के प्रतिनिधि हितेश मल्होत्रा अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने जयपुर पहुंच गए हैं और एडहॉक कमेटी वीएफआई के चेयरमैन रोहित राजपाल तथा सदस्य डॉ अलकनंदा अशोक और एस गोपीनाथ मौजूद रहें। सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, राजस्थान क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन, सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया सहित कई गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर शामिल थे।

पहले दिन के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में पंजाब की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना को 3-2 से शिकस्त दी वहीं चंडीगढ़ की टीम ने नागालैंड को 3-0 से हराया। आंध्र प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 3-1 से और महाराष्ट्र ने अण्डमान को 3-0 से मात दी। वहीं उड़ीसा ने लद्दाख को 3-0 से और जम्मू-कश्मीर ने त्रिपुरा को 3-0 से हराया। बिहार ने मणिपुर को 3-1 से और रेलवे की टीम ने हरियाणा पर 3-1 से जीत दर्ज की। महिला टीमों ने भी अपना शानदार प्रदर्शन किया और दिल्ली की टीम ने पुदुचेरी को 3-0 से हराया और गुजरात ने सिक्किम को शानदार तरीक़े से 3-0 से मात दी।

राजस्थान स्टेट जूनियर अंतर जिला टीम स्पर्धा प्रतियोगिता जयपुर ने जीती

उदयपुर, 7 जनवरी। इन्द्रसिंह बारहठ स्मृति राजस्थान स्टेट जूनियर एवं अंतर ज़िला एवं ओपन टेनिस प्रतियोगिता मंगलवार को जयपुर ने उदयपुर को हराकर जीता। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने बताया कि पहले एकल में जयपुर के प्रियांशु तंवर ने उदयपुर के निखिलेश भट्ट को 8-0 से हराया। दूसरी एकल प्रतियोगिता में उदयपुर के निखिलेश भट्ट ने जयपुर के जेसन जाट को 8-4 से हराया। निर्णायक डबल्स में प्रियांशु तंवर एवं जेसन जाट की जोड़ी ने उदयपुर के नव्य भट्ट एंव निखिलेश भट्ट की जोड़ी को 7-6 के टाई ब्रेकर में हराकर जयपुर को जीत दिलायी। इसके अतिरिक्त अन्डर-14 आयु वर्ग में जेसन जाट ने दिव्यम चौधरी को 8-5 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। अन्डर-18 वर्ग में समिफाईनल में प्रियांश तंवर ने नव्य भट्ट को 8-3 से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमिफाईनल में सिरोही के नील भारद्वाज ने जयपुर के आर्यन कांकरवाल को 8-6 से पराजित का फाईनल में प्रवेश किया। अन्डर-16 आयु वर्ग में निखिलेश भट्ट ने हर्षिल मेवाड़ा को हराकर फाईनल में प्रवेश किया। डॉ.. चक्रवर्ती ने बताया कि सभी फाईनल बुधवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के टेनिस कोर्ट पर खेले जायेंगे एवं सभी विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

जीतो जयपुर बैडमिंटन लीग 2025 का शानदार आयोजन

100 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

जयपुर, 7 जनवरी। जीतो जयपुर चैप्टर द्वारा आयोजित जीतो जयपुर बैडमिंटन लीग 2025 का भव्य आयोजन एसएमएस बैडमिंटन हॉल, एसएमएस स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जैन समुदाय के विभिन्न आयु वर्ग के 100 से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन जीतो स्पोर्ट्स एपेक्स के डायरेक्टर इन चार्ज जिनेन्द्र कुमार मुनोत और जीतो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन सलोनी जैन ने किया। जयपुर बैडमिंटन संघ से मनोज दासोत और अतुल गुप्ता ने खिलाड़ियों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में प्रदीप सूराना, संयोजक जीतो स्पोर्ट्स जयपुर व अश्विनी मेहता कार्यक्रम संयोजक ने कार्यक्रम में पधारे सभी प्रतिभागियों को जीतो द्वारा किए जा रहे स्पोर्ट्स की गतिविधियों के बारे में बताया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने टीम व व्यक्तिगत श्रेणियों में जोरदार मुकाबले किए। फाइनल मुकाबलों में 45 डबल्स में अनिल जैन व ललित जैन, 35-45 डबल्स की श्रेणी में अभिषेक जैन व अक्षित शाह, 15-35 डबल्स में कार्तिक जैन व प्रयूल जैन व मिक्सड डबल्स में राजुल भंडारी व ऋषभ जैन विजयी रहे व अंडर 15 सिंगल्स मेल में दिव्यांश बोकाड़िया व फीमेल में कशिका जैन, 15-25 में अंशुल जैन, फीमेल में मान्या जैन, 35-45 में आशीष जैन, 45 मुकेश जैन, 25-35 में नमन जैन विजयी रहे। मुकाबलों ने दर्शकों का मन मोह लिया और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।